Bhannaat.com

स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी का इनॉगरेशन करेंगे PM मोदी:

अयोध्या के राम मंदिर से भी ज्यादा बजट की 216 फीट ऊंची दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी मूर्ति यहां 108 मंदिर...

PM नरेंद्र मोदी शनिवार शाम को 5 बजे वै ष्णव संप्रदाय के संत स्वामी रामानुजाचार्य की 216 फीट ऊंची मूर्ति का इनॉगरेशन करेंगे। हैदराबाद में स्थापित की गई इस प्रतिमा को 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' नाम दिया गया है। यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बैठी हुई मूर्ति है।

इस मूर्ति के साथ 108 मंदिर बनाए गए हैं, जिन पर कारीगरी ऐसी है कि कुछ मिनट को पलकें ठहर सी जाती हैं। साथ ही 120 किलो सोने का इस्तेमाल करते हुए आचार्य की एक छोटी मूर्ति भी बनाई गई है। इस प्रोजेक्ट पर 1400 करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च हुए हैं, जो अयोध्या में 1100 करोड़ की लागत से बन रहे राम मंदिर से भी ज्यादा हैं।

वैष्णव संप्रदाय के संत चिन्ना जीयर स्वामी की देखरेख में यह प्रोजेक्ट पूरा हुआ है। दैनिक भास्कर ने 2 जनवरी को न्यू ईयर के मौके पर यहां से की गई स्पेशल रिपोर्ट पब्लिश थी। आज इस मौके पर हम यह रिपोर्ट दोबारा पब्लिश कर रहे हैं। पढ़िए प्रोजेक्ट के शुरू होने से लेकर पूरा होने तक की कहानी।

सबसे पहले ग्राफिक में जानिए स्टैच्यू की डिटेल...

Bhannaat.com

Bhannaat.com

अब सुनिए इस प्रोजेक्ट की पूरी कहानी इसे बनवाने वाले **वैष्णव संप्रदाय के संत चिन्ना जीयर स्वामी और श्री रामानुजा सहस्रब्दी प्रोजेक्ट के चीफ आर्किटेक्ट प्रसाद स्थपति** की जुबानी...। **स्टैच्यू बनने की इंटरेस्टिंग कहानी सिर्फ 8 स्लाइड्स में...**

दैनिक भास्कर

STATUE OF EQUALITY

स्टैच्यू बनने की इंटरेस्टिंग कहानी 1/22

मिट्टी की 14 मूर्तियां बनाईं

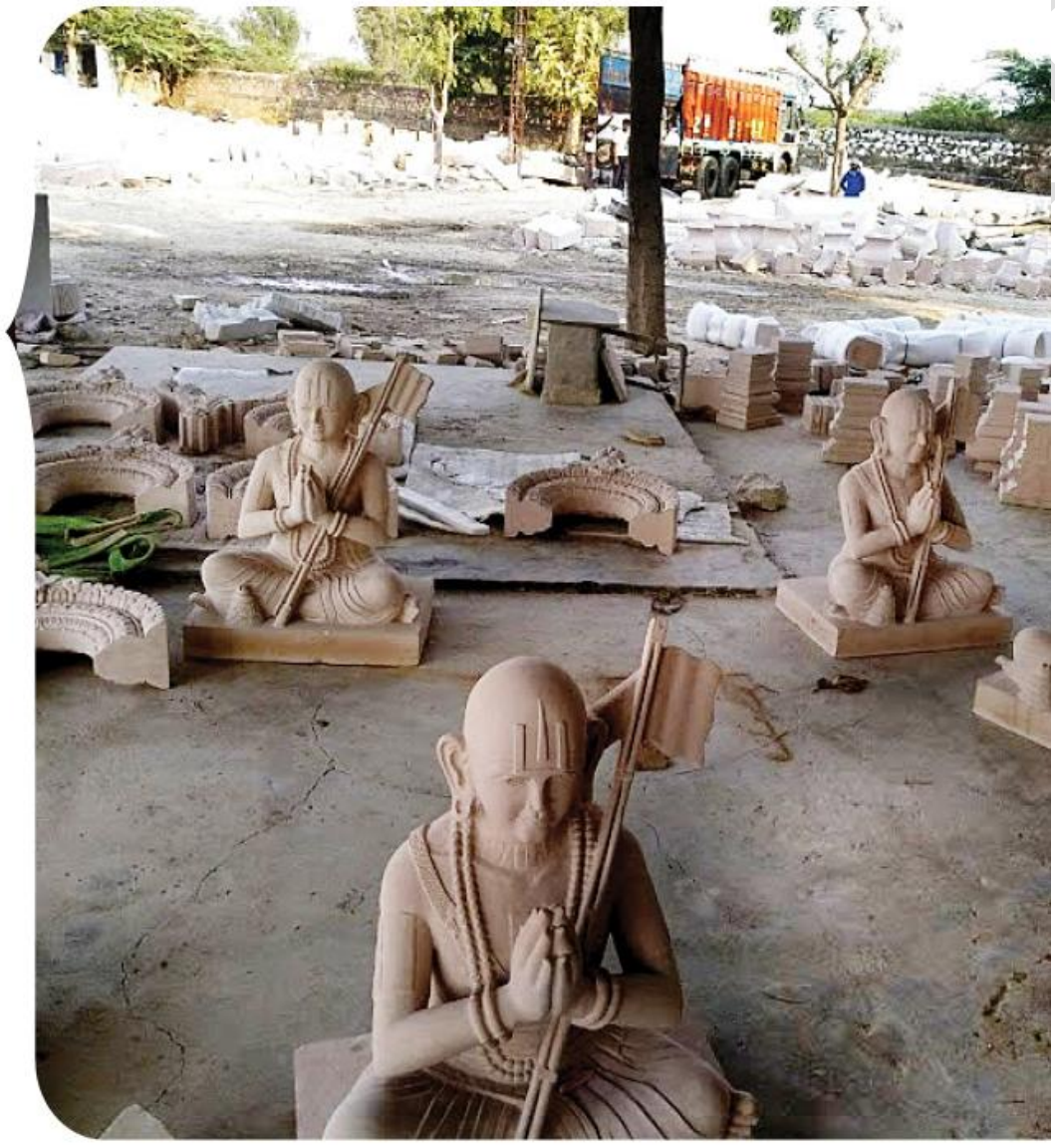

- मूर्ति कैसी बनेगी? यह तय करने के लिए 14 मिट्टी की मूर्तियां बनाई गईं।

- यह मूर्तियां चीफ आर्किटेक्ट आनंद साईं, चीफ आर्किटेक्ट प्रसाद स्थपति ने टीम के साथ मिलकर तैयार कीं।

- इन 14 में से 4 मूर्तियां चिन्ना जीयार स्वामी और उनके एडवाइजर्स को पसंद आईं।

Bhannaat.com

अलग-अलग मूर्तियों के बेस्ट पार्ट्स से **नई मूर्ति बनी**

- ये 4 मूर्तियां वो थीं, जिनमें किसी की आंख, किसी का हाथ, किसी के पैर सुंदर थे।

- स्वामी जी ने इन 4 के बेस्ट पार्ट्स से 5वीं नई मूर्ति तैयार करने का टास्क टीम को दिया।

- फिर जो नई मूर्ति बनी, उस पर दिसंबर 2014 में सबकी एक राय बनी। वो सबको पसंद आई।

Bhannaat.com

बेंगलुरु में 3D स्कैनिंग हुई

- अब इस मूर्ति को स्टैच्यू में हूबहू बदलने का टास्क था।
- इसलिए बेंगलुरू में इसकी 3D स्कैनिंग की गई।
- मतलब सॉफ्टवेयर के जरिए मूर्ति का एक मॉडल कम्प्यूटर में तैयार हुआ।
- शास्त्रों में शरीर के जो लक्षण बताए गए हैं, उसी हिसाब से सभी अंग बनने जरूरी थे।
- शास्त्रों के जानकार प्रसाद स्थपति ने अपने इनपुट्स दिए और आर्किटेक्ट के साथ स्केचिंग की।

Bhannaat.com

तीन मेंबर्स की टीम चीन गई

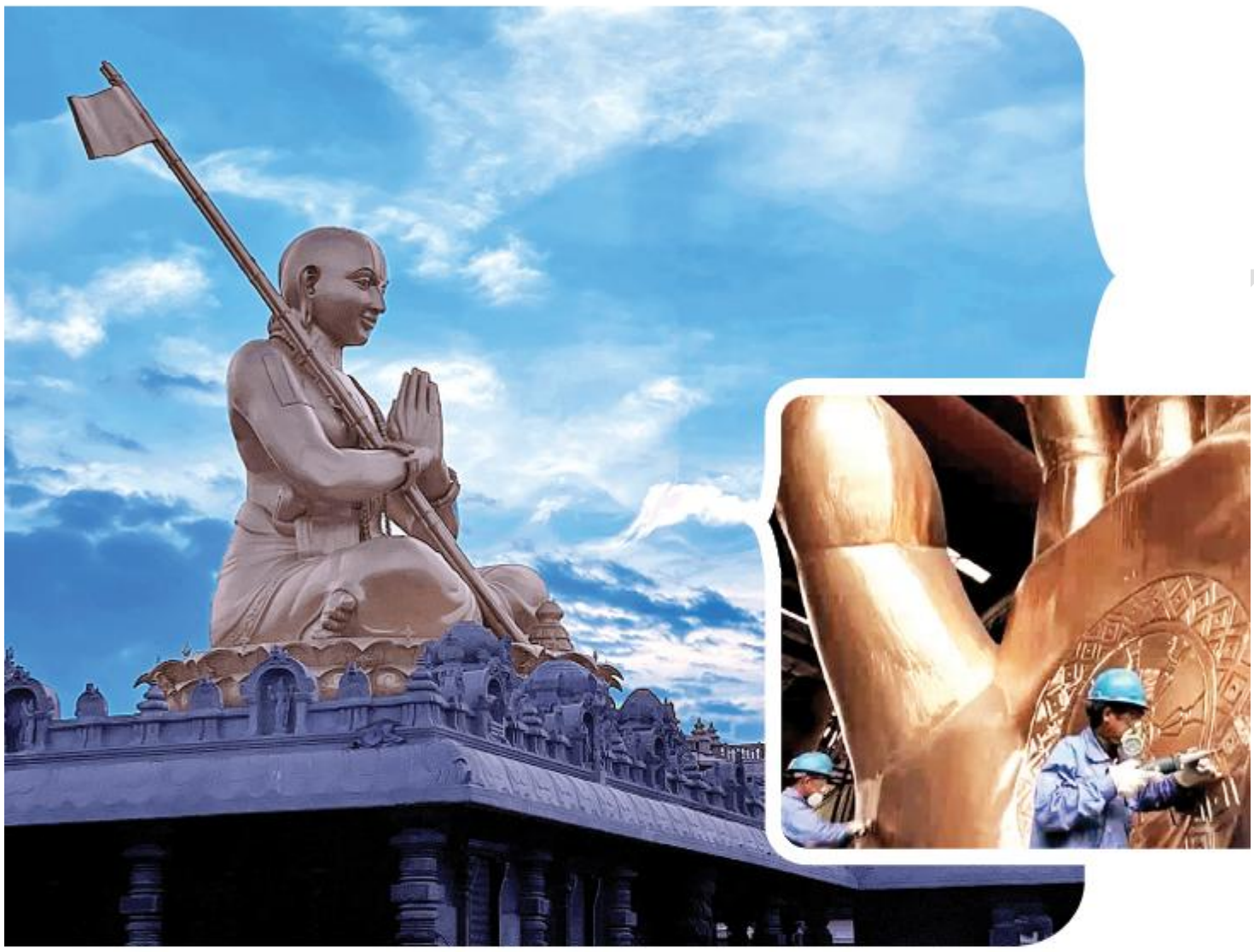

- 3D स्कैनिंग के बाद मॉडल फाइनल हुआ।
- रिसर्च शुरू हुई कि इसे कहां बनवाया जाए।
- चीन में बड़े स्टैच्यू बने हैं। इसलिए तीन मेंबर्स की एक टीम चीन गई।
- वहां जिस कंपनी में सरदार पटेल का स्टैच्यू बन रहा था, उससे बात नहीं जम पाई।
- फिर चीन की ही एरोसन कॉर्पोरेशन के साथ मूर्ति बनाने का एग्रीमेंट 14 अगस्त 2015 में हुआ।

Bhannaat.com

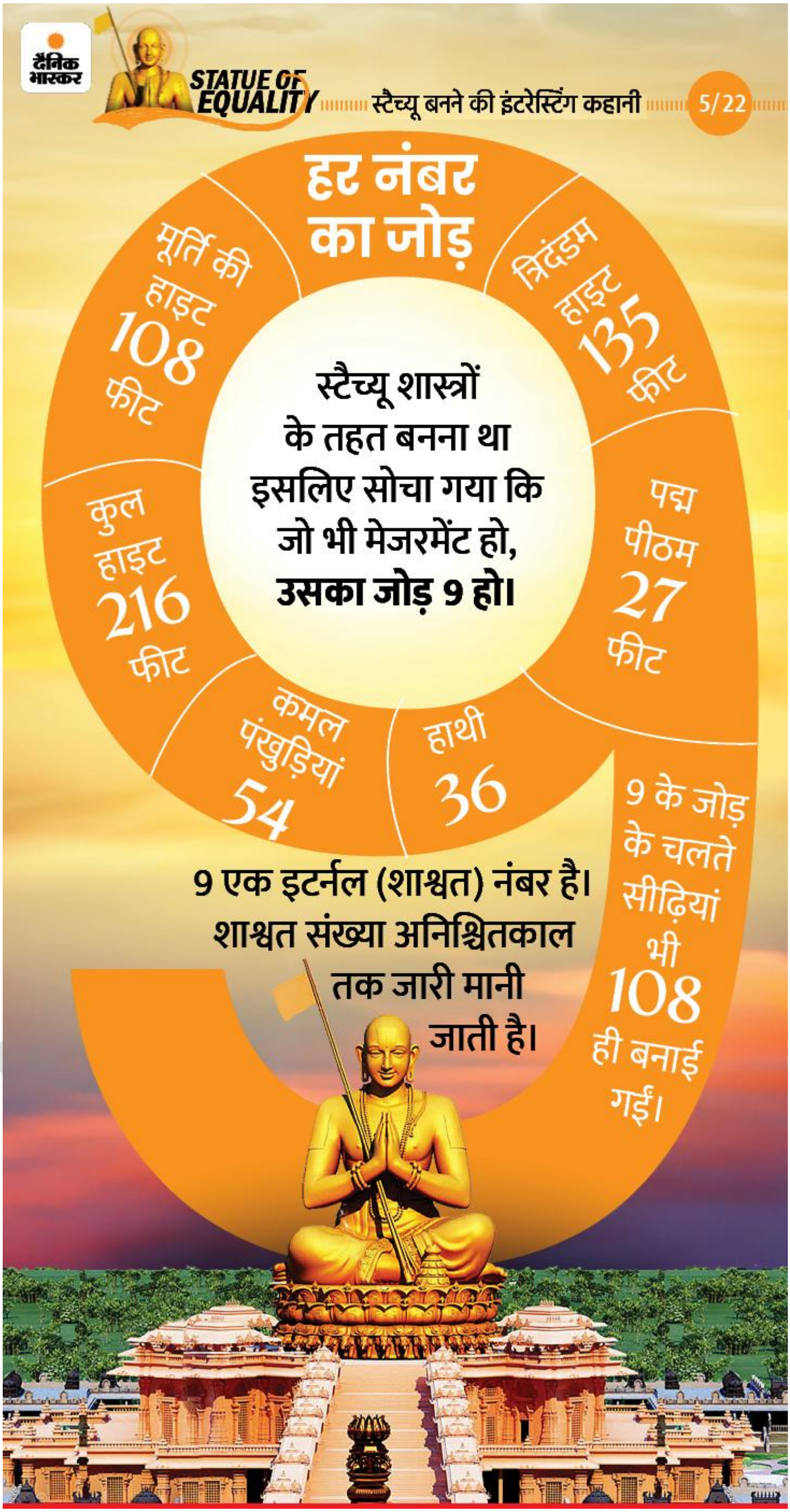

Bhannaat.com

हर 15 दिन में टीम चीन जाती थी

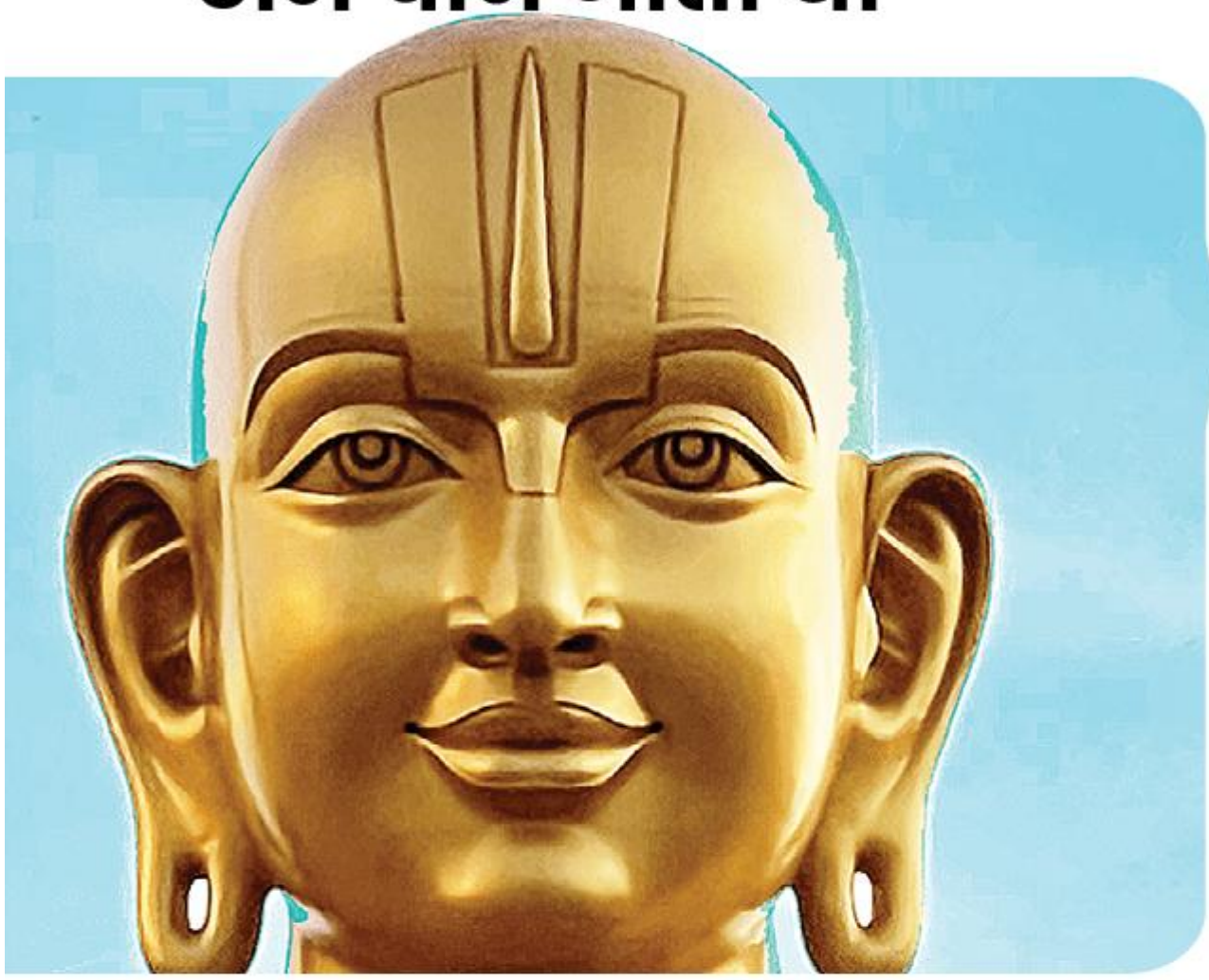

- 2016 से कंपनी ने स्टैच्यू बनाना शुरू किया।
- थर्मोकोल के जरिए अलग-अलग पार्ट्स की डिजाइन बनाई गई।
- हर 10-15 दिन में भारत से टीम इंस्पेक्शन के लिए चीन जाती थी।
- सोल्डर तक तो काम तेजी से हुआ, लेकिन चेहरे पर आकर रुक गया।
- चेहरे और आंखों की बनावट ही सबसे आकर्षक बनाने का टास्क था।

Bhannaat.com

1800 बार करेक्शन किया

- चीफ आर्किटेक्ट चेहरे और आंखों की तस्वीरें लेकर तीन बार चीन गए।
- 1800 बार करेक्शन किया गया और 3 महीने करुणामय चेहरा बनाने में लगे।
- आंखों की लंबाई 6.5 फीट और हाइट 3 फीट रखी गई।
- स्टैच्यू के 1600 अलग-अलग पीस तैयार हुए।
- खासियत ये है इसमें कहीं भी वेल्डिंग का साइन नहीं दिखता।

Bhannaat.com

18 महीने में तैयार हुई मूर्ति

- जैसे-जैसे ये पीस तैयार होते जा रहे थे, वैसे-वैसे इन्हें भारत लाया जा रहा था।
- मुचिंतल के श्रीराम नगर में असेंबलिंग शुरू हुई।
- 18 महीने में चीन की कंपनी ने मूर्ति तैयार की।
- 650 टन की मूर्ति 850 टन स्टील की इनरकोर के सहारे खड़ी है।
- मूर्ति में 82% कॉपर के अलावा जिंक, टिन, गोल्ड और सिल्वर लगा है।

Bhannaat.com

108 मंदिर यहां की सबसे बड़ी खासियत, इसलिए अब 4 स्लाइड्स में इनके बारे में भी जरूर पढ़िए...

108 वैष्णव मंदिर बनाए

- संत रामानुज ने वैष्णव संप्रदाय के 108 दिव्य देशम (भगवान विष्णु के वह 108 मंदिर जहां 12 आलवार यानी तमिल संतों ने तीर्थ किया था) से प्रेरणा ली थी।
- 108 में से 105 मंदिर भारत में और एक नेपाल में हैं। बाकी दो अन्य किसी स्थान पर माने जाते हैं।
- ऐसे में इन्हें भी रामानुज की मूर्ति के आसपास बनाने का डिसीजन हुआ।
- इन्हें ठीक उसी तरह बनाया गया, जैसे ये मूल स्थान पर बने हुए हैं। सिर्फ स्वरूप छोटा है।

Bhannaat.com

100 मंदिरों के 12 हजार फोटो जुटाए

- दक्षिण में स्थित पांच मंदिरों की टीम ने विजिट की। जबकि बाकी 100 मंदिरों के 12 हजार फोटो जुटाए।
- इनका एनालिसिस करने के बाद मंदिरों में स्थापित की जाने वाली मूर्तियों के स्कैच तैयार किए गए।
- हर एक मंदिर पर रिसर्च की और उससे जुड़ा डाटा कलेक्ट किया।
- इन मंदिरों को कृष्णशिला से बनाया गया। इनमें वैसी ही कारीगरी हुई, जैसी मूल मंदिर में है।

Bhannaat.com

तीन राज्यों से लाए स्टोन

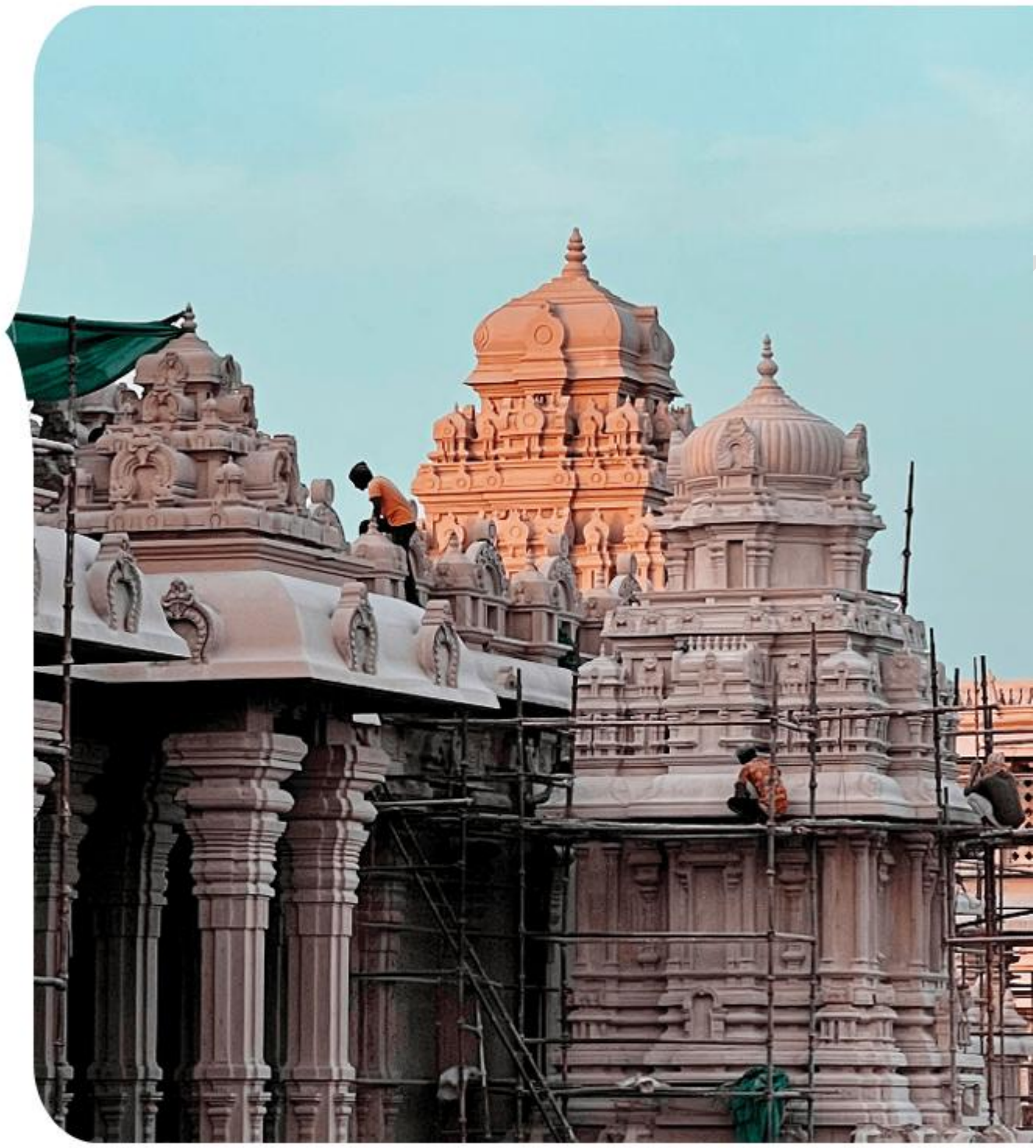

- राजस्थान के बंसी पहाड़पुर से पिंक स्टोन, भैंसलाना से ब्लैक मार्बल, आंध्र और तमिलनाडु से ब्लैक स्टोन लाए गए।
- एक खास तरह का ब्लैक मार्बल चीन से लाया गया।
- नक्काशी के लिए इन जगहों के कारीगरों को साइट पर लाया गया।

Bhannaat.com

अलग-अलग कामों के **माहिर कारीगर जुटाए**

- माउंट आबू के कारीगरों ने पत्थरों पर नक्काशी की।
- जयपुर के कारीगरों ने रेलिंग और दिव्य देशम पर नक्काशी की।
- तमिलनाडु के कारीगरों ने दिव्य देशम की मूर्तियां बनाईं।
- आंध्र के कारीगरों ने भी दिव्य देशम के पत्थरों में नक्काशी की।
- आर्ट डायरेक्टर आनंद साईं ने इनका डिजाइन तैयार किया।
- 2018 में मंदिर में लगने वाले पत्थरों की नक्काशी शुरू हुई।

Bhannaat.com

कैंपस की बाकी खूबियों को भी जान ही लीजिए सिर्फ 3 स्लाइड्स में...

दैनिक भास्कर

STATUE OF EQUALITY

बाकी खूबियों को भी जानिए 13/22

42 फीट लंबा
म्यूजिकल फाउंटेन

- पूरा कैंपस 200 एकड़ में फैला है, जबकि स्टैच्यू साइट 40 एकड़ में है।
- स्टैच्यू, दिव्य देशम के अलावा यहां 42 फीट लंबा म्यूजिकल फाउंटेन भी है।
- म्यूजिकल फाउंटेन चीन से आया है। इसके जरिए रामानुजाचार्य की लीलाओं को दिखाया जाएगा।
- एंट्रेंस में हनुमान जी और गरुड़ा की 18-18 फीट ऊंची मूर्ति होगी।

Bhannaat.com

पूजा के लिए 120 किलो सोने से मूर्ति बनाई

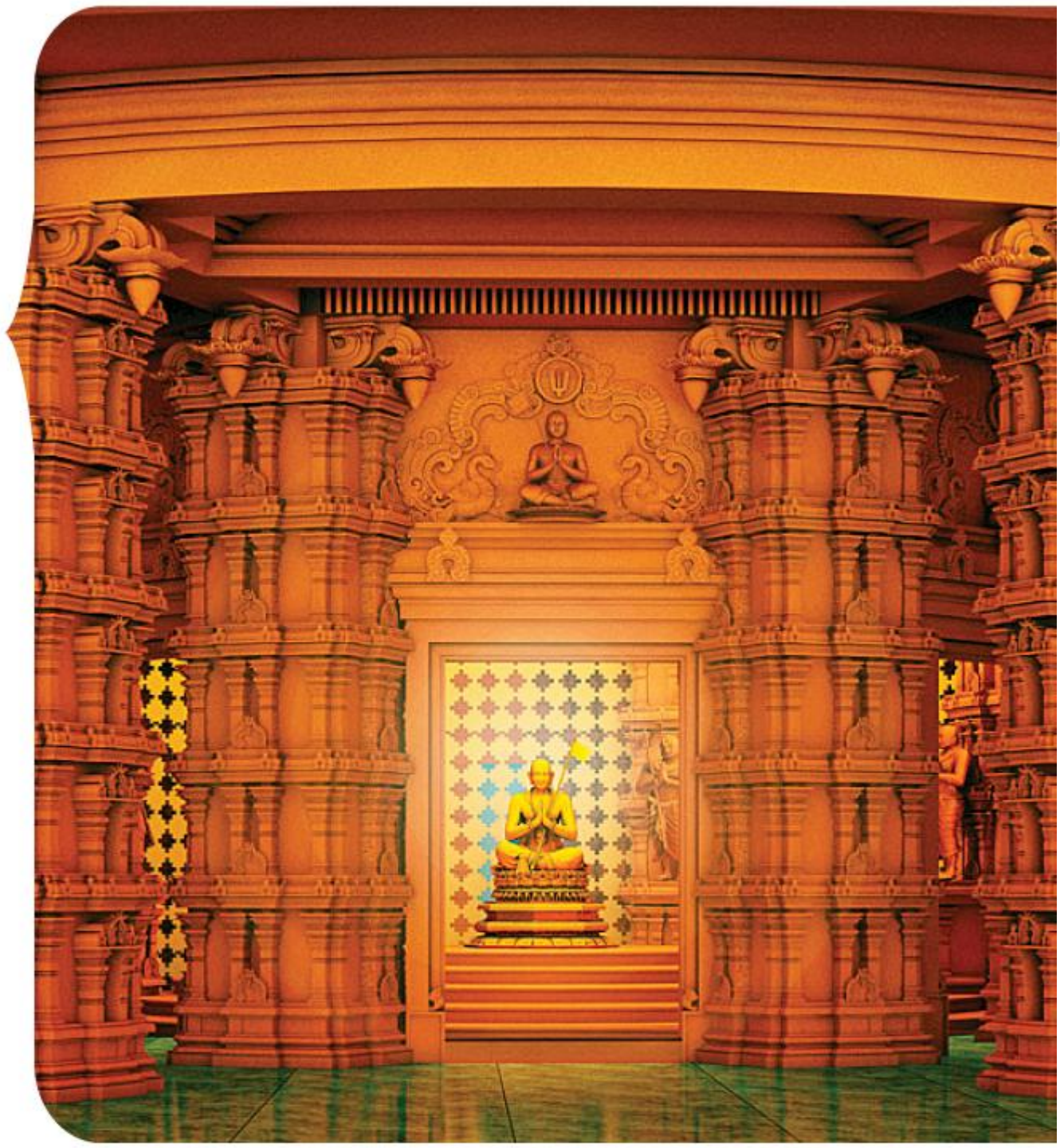

- संत रामानुजाचार्य के बड़े स्टैच्यू के नीचे ही उनकी एक छोटी मूर्ति स्थापित की गई है।
- ऐसा माना जाता है कि वे 120 साल जिए। इसलिए इस मूर्ति में 120 किलो सोना लगा है।
- मूर्ति तैयार हो चुकी है। हर रोज आचार्य का पूजन यहीं पर किया जाएगा।

Bhannaat.com

चीनी कंपनी ने 20 साल की गारंटी दी

- मूर्ति पर किए गए सुनहरे रंग की चीनी कंपनी ने 20 साल की गारंटी दी है।
- चिन्ना जीयार स्वामी के मुताबिक, मूर्ति का 2 हजार सालों तक भी कुछ नहीं बिगड़ेगा।
- मूर्ति पंचलोहा से तैयार हुई है। इसमें गोल्ड, सिल्वर, कॉपर, ब्रास और टाइटेनियम शामिल हैं।

Bhannaat.com

अब खर्चे की बात...

अब तक 1400 करोड़ रु खर्च

100 करोड़ रु सिर्फ मूर्ति पर खर्च हुए हैं।

- पहले इस प्रोजेक्ट का खर्चा 400 करोड़ आंका गया था।
- बाद में यह बढ़कर 800 करोड़ पर पहुंच गया।
- अभी तक 1400 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं।
- यह पूरा पैसा देश-विदेश से मिले दान से आया है।

Bhannaat.com

दैनिक भास्कर

STATUE OF EQUALITY

इनॉगरेशन की कहानी

17/22

डेढ़ लाख किलो देशी घी से यज्ञ होगा

- 2 से 14 फरवरी तक यहां पूजन होगा।
- यज्ञ में डेढ़ लाख किलो देशी घी लगेगा।
- देशी घी देशभर के अलग-अलग हिस्सों से इकट्ठा किया जा रहा है।

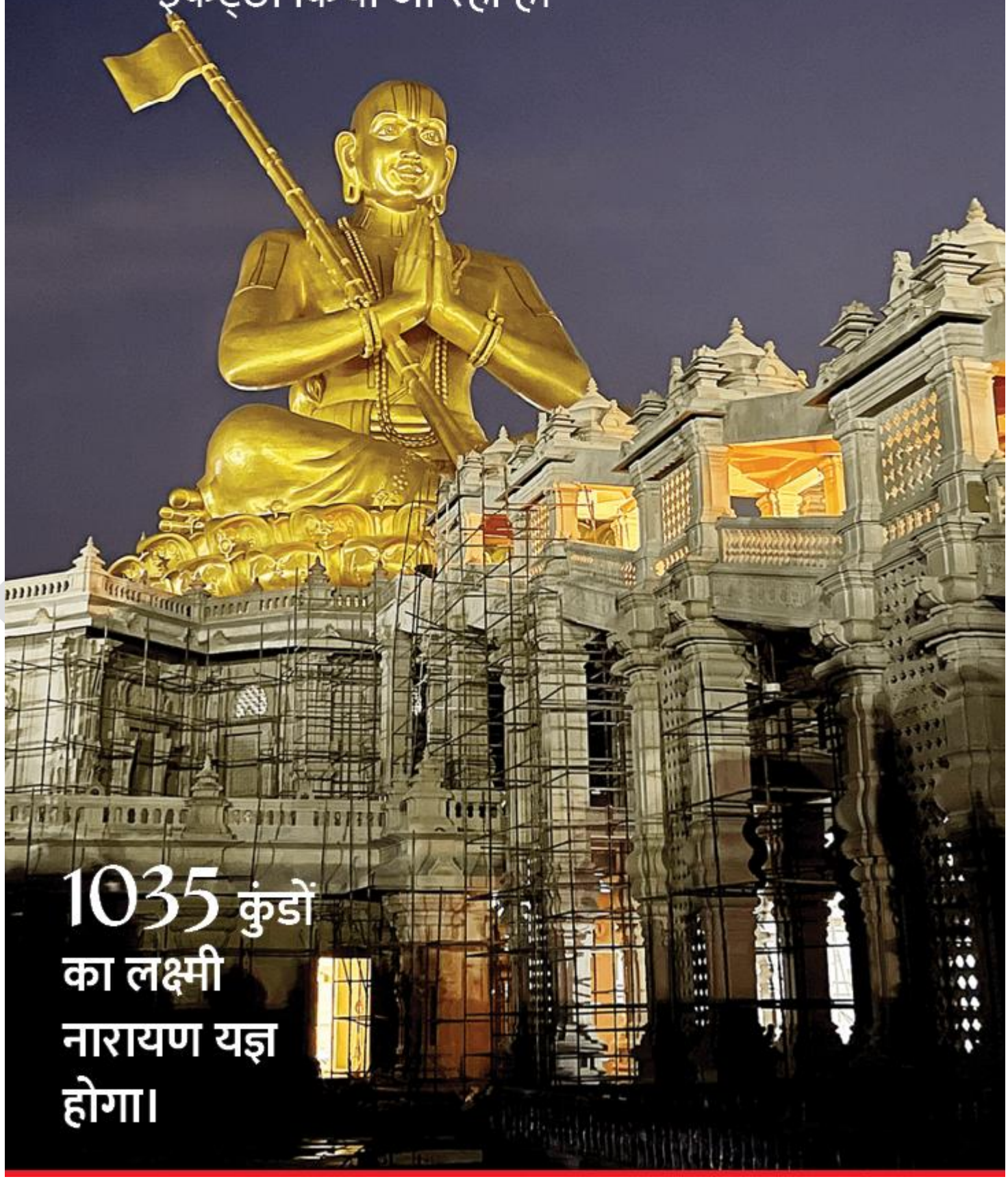

1035 कुंडों का लक्ष्मी नारायण यज्ञ होगा।

Bhannaat.com

आखिर इतना बड़ा स्टैच्यू बनाने का मकसद क्या है...

दैनिक भास्कर

STATUE OF EQUALITY

स्टैच्यू बनाने का मकसद 18/22

आचार्य की चर्चा हो, इसलिए स्टैच्यू बनाया

- दुनिया में जो सबसे ऊंचा, लंबा, बड़ा होता है उसकी चर्चा ज्यादा होती है।
- इसलिए संत रामानुजाचार्य की इतनी ऊंची मूर्ति बनाई गई, ताकि नई पीढ़ी उनके बारे में जाने।
- 216 फीट ऊंची मूर्ति बनाने का डिसीजन साल 2014 में हुआ था। प्रोजेक्ट पूरा होने में 8 साल लगे।

Bhannaat.com

आचार्य जन्म के 1000 साल हो रहे पूरे

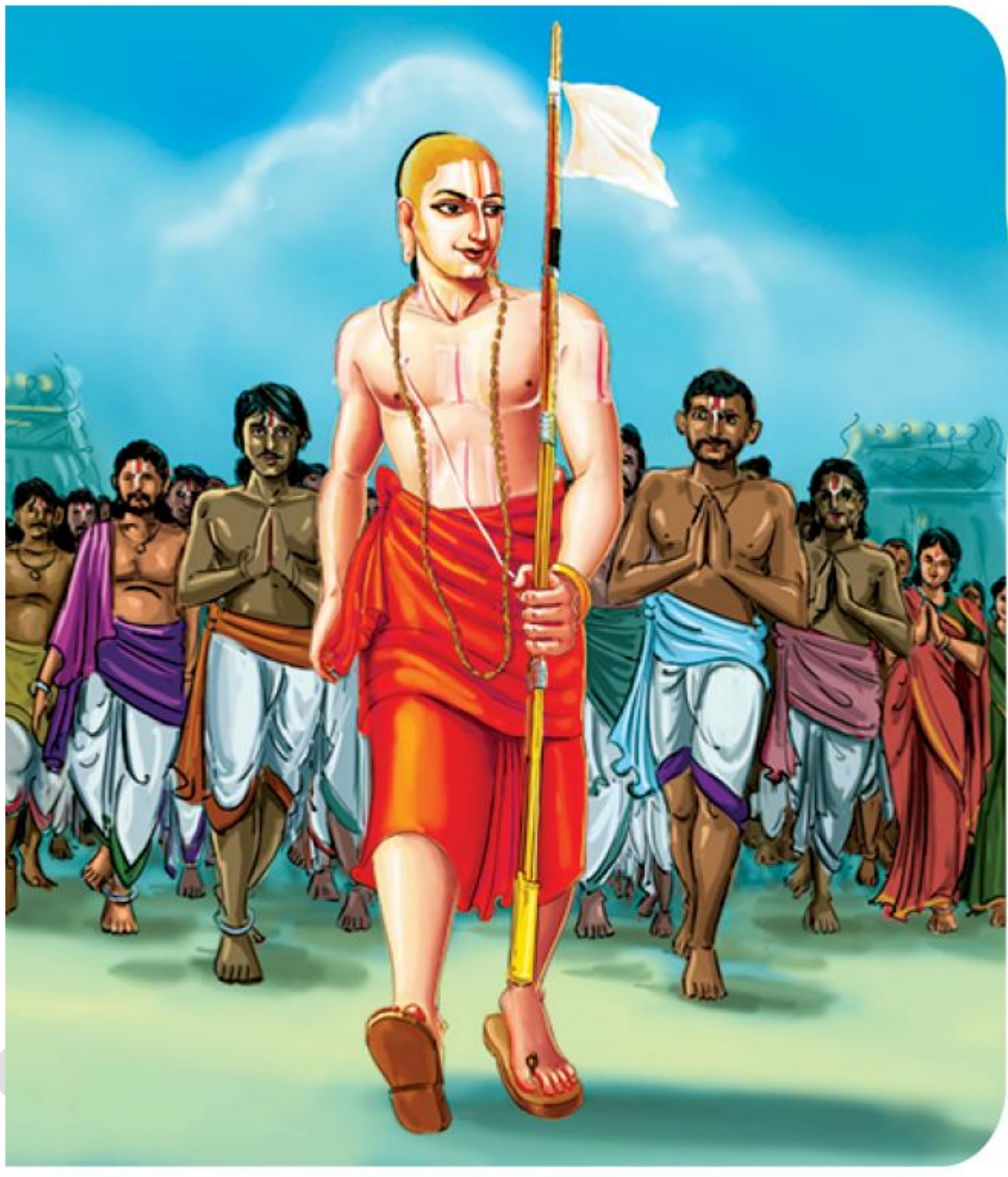

- श्री रामानुजाचार्य का जन्म 1017 में हुआ था। उनकी जन्मशताब्दी के 1000 साल पूरे हो रहे हैं। इसलिए अभी इनॉगरेशन का टाइम तय हुआ।

- स्टैच्यू के सामने जो म्यूजिकल फाउंटेन लगाया गया है, वहां से उनके जीवन के बारे में हर रोज भक्तों को जानकारी मिलेगी।

Bhannaat.com

दैनिक भास्कर
STATUE OF EQUALITY

स्टैच्यू बनाने का मकसद 20/22

वास्तु के मुताबिक तय हुई 108 मंदिरों की पोजिशन

- वैष्णव संप्रदाय पर बेस्ड 108 मंदिर पहले स्टैच्यू के चारों तरफ बनाए जाने थे, लेकिन यह वास्तु के मुताबिक सही नहीं था इसलिए इनकी पोजिशन बदल दी गई।

- निर्माण शास्त्रों के मुताबिक ही होना था, इसलिए शिल्पकला के एक्सपर्ट स्थपति को जोड़ा गया। साथ में खूबसूरती भी आए इसलिए आर्ट डायरेक्टर से डिजाइन तैयार करवाया।

Bhannaat.com

पूर्व राष्ट्रपति प्रोजेक्ट देखने आए थे, **पीएम लोकार्पण करेंगे**

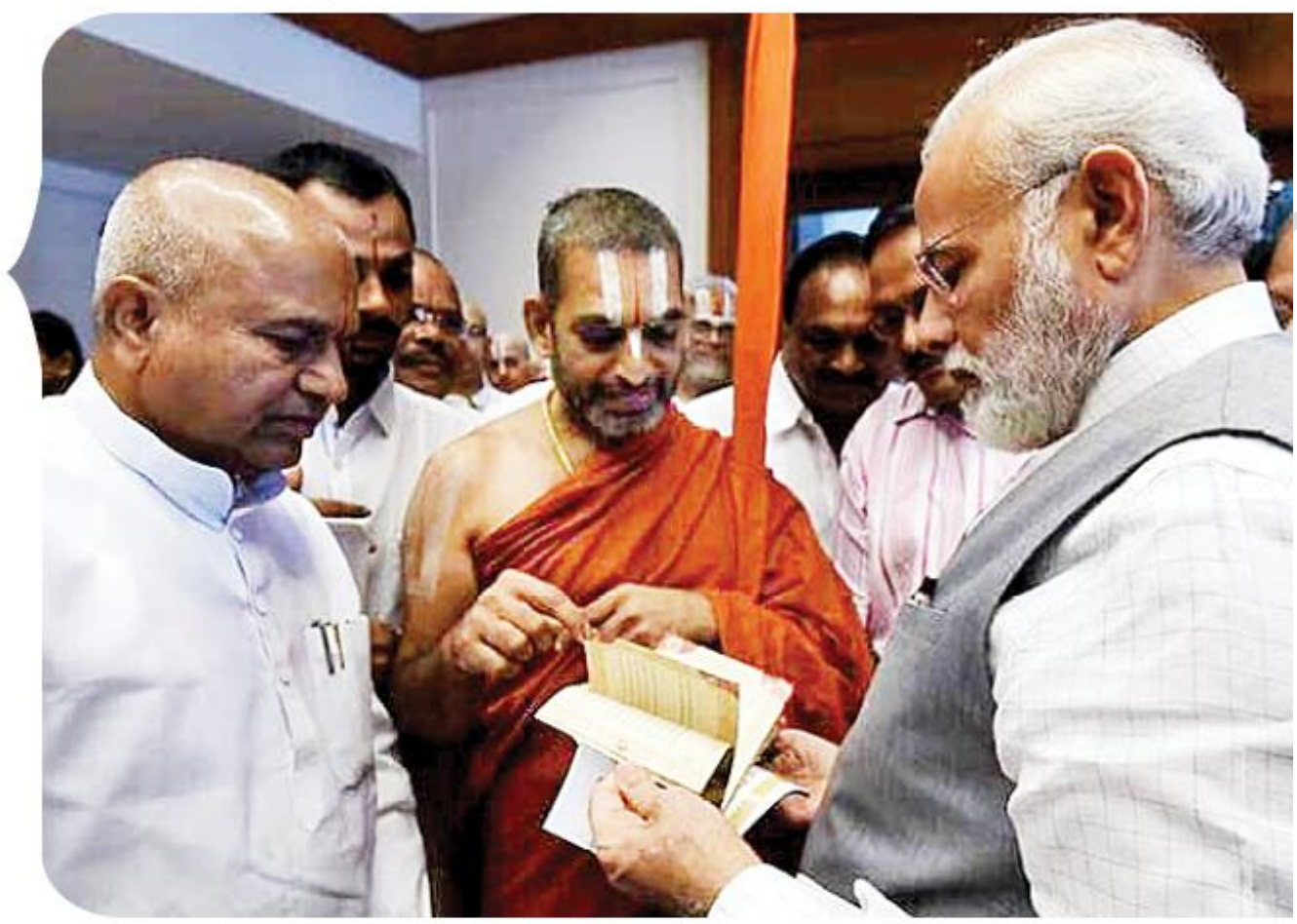

- पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी भी यह प्रोजेक्ट देखने आए थे। अब फरवरी में पीएम मोदी इसका लोकार्पण करने जा रहे हैं।

- स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी की मुख्य कमेटी में एचएच चिन्ना जीयर स्वामी, अहोबिला रामानुज जीयर स्वामी, देवनाथ जीयर स्वामी और डॉ. रामेश्वर राव जुपल्ली शामिल हैं।

Bhannaat.com